दैनिक जागरण 25/01/2024

# औषधीय पौधों की ताकत, कैंसर के इलाज में फायदेमंद

**जागरण संवाददाता, अंबाला :** एक ओर जहां इन दिनों उपचार के लिए केमिकल (साल्ट) पर आधारित दवाओं पर लोगों की निर्भरता बढ़ रही है, वहीं औषधीय पौधों की ताकत को भूल रही है। इनकी ताकत को दुनिया के सामने डा. कुलदीप यादव (एमएससी, एमफिल और पीएचडी कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने रखा है। वे अंबाला कैंट के गांधी मेमोरियल नेशनल कालेज में बाटनी विभाग के एचओडी है। उनका कहना है कि इनमें ऐसी ताकत है कि वे कैंसर और असाध्य बीमारी के उपचार में भी काफी फायदेमंद हैं।

## ग्लोरियोसा सुपरबा में कैंसर के उपचार की ताकत

डा. कुलदीप ने जिम्बाबे के राष्ट्रीय फूल ग्लोरियोसा सुपरबा पर शोध किया। शोध में पाया कि इस फूल में ऐसे तत्व है, जो गंभीर बीमारियों के उपचार में काफी दमदार है। यह फूल तामिलनाडु का राजकीय फूल भी है। इसके अलावा यह फूल हिमालय की तलहटी, आंध्र प्रदेश, बंगाल सहित कुरुक्षेत्र, पिंजौर, मोरनी में भी पाया जाता है। उन्होंने बताया कि यह जड़ी बूटी है। चुनौती यह रहती है कि इस में फल लगने की दर काफी कम है और खराब अंकुरण के चलते इसे पनपने में लंबा समय लगता है। यही नहीं इस जड़ी बूट का उत्पादन भी मौसमी है, जबकि कीट पतंगों के प्रति यह फूल काफी संवेदनशील है।

रिसर्च के दौरान टैस्ट ट्यूब में रखे गए पौधे। • स्वयं

- अंबाला कैंट के जीएमएन कालेज में बाटनी विभाग के एचओडी हैं डा. कुलदीप यादव
- जिम्बाबे के राष्ट्रीय फूल ग्लोरियोसा सुपरबा पर किया शोध, कैंसर के उपचार के तत्व मिले

## शोध में पाया कई बीमारियों में महत्वपूर्ण

ग्लोरियोसा सुपरबा में शोध के दौरान ऐसे तत्व सामने आए हैं, जो कई बीमारियों पर असर दिखाते हैं। इन में मुख्य रूप से कैंसर की बीमारी में यह अपना अच्छा खासा असर दिखाता है। इस फूल के कंद और बीजों में एल्वलाइड यानी कोल्सीसिसन होता है। यह तत्व कैंसर, गठिया, सूजन, अल्सर, बवासीर, त्वचा रोग, कुष्ठ रोग सहित कई अन्य बीमारियों में इस्तेमाल होता है।

## सफलतापूर्वक माइक्रोप्रोपेगेशन प्रोटोकाल भी विकसित किया

डा. कुलदीप यादव ने बताया कि शोध में प्रोफेसर नरेंद्र सिंह और अशोक

अग्रवाल की देखरेख में किए गए। उन्होंने बताया कि औषधीय और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों की प्रजातियों जैसे मुलैथी, अकाकारा, एकोरस कैलमस आदि के लिए सफलतापूर्वक माइक्रोप्रोपेगेशन प्रोटोकाल भी विकसित किया है। हाल ही में सिम्लोकोस रेसमोसा (लोध ट्री) पर काम कर रहे हैं।